विवरण–II

विश्व बैंक से सहायता-प्राप्त समन्वित पनधारा विकास परियोजना (मैदानी इलाके) के तहत गुजरात में पनधाराओं की जिलावार संख्या को दर्शाने वाला एक विवरण पत्र

क्रम सं.	जिले का नाम	पनधारा की संख्या
1	साबरकंठा	1
2	राजकोट	2
3	बड़ौदरा/भड़ूच	1

दिल्ली दुग्धयोजना की दुग्ध उत्पादन क्षमता

1641. श्री राजभाई ए० परमार : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना के अंतर्गत अब भी प्रतिदिन संयंत्र क्षमता से कम उत्पादन हो रहा है और पिछले दो वर्षों से उत्पादन क्षमता को बढ़ाया नहीं गया है; और

(ख) यदि हां, तो दूध की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए दूध की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने क्या प्रयास किये हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. सी. लेंका) : (क) वर्ष 1990 में दिल्ली दुग्ध योजना की अधिष्ठापित क्षमता 3.75 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 5.00 लाख लीटर प्रतिदिन कर दी गई थी तथा पिछले दो वर्षों में इसका उपयोग इस प्रकार रहा है :–

वर्ष	क्षमता का उपयोग
1990–91	102.83 प्रतिशत
1991–92	95.01 प्रतिशत

(ख) इस समय दिल्ली दुग्ध योजना की वर्तमान क्षमता बढ़ाने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है।

1642. (Transferred to 30 July, 1992)

राजस्थान में भुखमरी से हुई मौतें

1643. श्री अनन्त राम जायसवाल : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 7 जुलाई, 1992 के हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र "दैनिक जागरण" के दिल्ली संस्करण के कालम 5 में "राजस्थान अकाल ने 100 बच्चों की जान ली" शीर्षक से प्रकाशित हुए समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश्वर चतुर्वेदी) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) राजस्थान सरकार ने सूचना दी है कि भुखमरी के कारण राजस्थान के बीकानेर या अन्य स्थानों में किसी की मृत्यु नहीं हुई है तथा स्वाभाविक मृत्यु का भी कारण अकाल ही बताया गया है। बहरहाल, कुछ गांवों में खसरा का प्रकोप हुआ जिसके कारण कुछ बच्चों की मृत्यु हुई है। राज्य सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में गहन रोग प्रतिरक्षण कार्य शुरू किया गया है।

राजस्थान सरकार ने यह भी सूचित किया है कि भुखमरी के कारण गौ पशुओं की मृत्यु की सूचना भी आधारहीन है।

राजस्थान सरकार ने बीकानेर जिले में विभिन्न राहत उपाय किए हैं जिनमें श्रमिकों को रोजगार देना, गौपशु कैम्प खोलना, राज्य के अन्दर चारा लाने ले जाने तथा राज्य के बाहर से चारा लाने के लिए राजसहायता, चारा की

खरीद के लिए गैर सरकारी संगठनों तथा अन्य संगठनों को ब्याज मुक्त ऋण देना शामिल है।

Import of maize

1644. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to import four lakh tonnes of maize for building a buffer stock for the poultry industry;

(b) whether the domestic production of maize does not meet the requirement of maize in the country; and

(c) if so, the details of action taken or propose to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) No, Sir.

(b) and (c) The production of maize is considered adequate to meet the requirement in the country. However, the following steps have been taken to facilitate availability of maize to poultry sector at reasonable prices:

(1) State Government have been requested to intervene to prevent hoarding of maize by traders.

(2) NAFED has been asked to procure maize locally and make it available for poultry sector at reasonable prices.

(3) Steps are being taken by Government for increasing the production of maize in the country.

आम की नई किस्म का विकास

1645. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कृषि केन्द्रों में आम की एक ऐसी किस्म विकसित की गई है जिस पर सम्पूर्ण वर्ष के दौरान फल आता रहता है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Rural agricultural economy

1646. SHRI TINDIVANAM G. VENKATARAMAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether rural agricultural economy has shown an upward trend or downward trend;

(b) the details thereof and the remedy sought in this regard; and

(c) what steps have been taken by Government to boost the morale of agriculturists?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) The rural agricultural economy has registered an upward trend during the period 1986-87 to 1990-91.

(b) The gross value added of agricultural sector (at 1980-81 prices) has gone up from Rs. 48995 crores in 1986-87 to Rs. 62048 crore during 1990-91 showing a rise of 26.6 per cent. While the value of output of crop husbandry has gone up by 23.6 per cent, the value of output of animal husbandry sector has risen by 19.0 per cent. There have been significant increases in output of other sub-sectors of the rural agricultural economy as well.

(c) The growth in rural agricultural economy is attributable to several measures taken by the Government. Important among these are: remunerative prices for agricultural produce to farmers, application of modern technology, extension of irrigation facilities, water shed management, recovery of waste lands, land improvements, afforestation, employment programmes, emphasis on development of rural non-farm sector, etc.